



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 159]

No. 159]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 13, 1997/फाल्गुन 22, 1918
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 13, 1997/PHALGUNA 22, 1918

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1997

का. आ. 191 (अ).—केंद्र सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन आंध्र प्रदेश कॉटन एसोसिएशन, गुंटूर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर चायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को रूई में अग्रिम संविदाओं (एन टी एस डी) के बारे में 1-4-1997 से 31-3-1999 (दोनों दिन शामिल हैं) की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्वधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो चायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिसिल संख्या 12 (1) / आई टी / 95]

एस. सी. ब्रह्म, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th March, 1997

S. O. 191 (E).— The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Andhra Pradesh Cotton Association, Guntur and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of 2 years from 1st April, 1997 to 31st March, 1999 (both days inclusive) in respect of forward contracts (NTSD) in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/ (1) / IT / 95]

S. C. BRAHMA, Jt. Secy.

